जिन्हें हिन्दी अथवा उर्दू का अच्छा ज्ञान है, परन्तु जो अच्छी अंग्रेजी नहीं बोल पाते ; और

(घ) सरकार अंग्रेजी को महत्व और प्राथमिकता देकर उन राज्यों के व्यक्तियों के साथ किस प्रकार न्याय कर रही है, जहां उच्च शिक्षा का माध्यम हिन्दी है, जिसके परिणामस्वरूप अंग्रेजी शिक्षा-माध्यम वाले उम्मीदवारों की तुलना में उनका अंग्रेजी का ज्ञान कम होता है ?

रक्षा-मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) वायु सेना में चयन/भर्ती के लिए अंग्रेजी की कोई न्यूनतम अर्हता निर्धारित नहीं की गई है। केवल न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं निर्धारित की गई हैं।

(ख) साक्षात्कार के समय उम्मीदवार के लिए अंग्रेजी में उत्तर देना अनिवार्य नहीं है यदि उम्मीदवार चाहें तो वे हिन्दी में उत्तर दे सकते हैं।

(ग) और (घ). जी नहीं। चयन/भर्ती करते समय उम्मीदवार की अंग्रेजी पर बल न देकर, जिस ब्रांच/ट्रेड के लिए चयन/भर्ती की जानी है, उसके लिए अपेक्षित गणित, विज्ञान, इंजीनियरी और सामान्य ज्ञान आदि में उनकी दक्षता पर बल दिया जाता है।

D. T. C. Buses on Route No. 320

5899. SHRI S. G. MURUGAIYAN Will the MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether for the convenience of office going people buses on route No. 320 were started from Shakarpur to Central Secretariat in the morning at 8·15, 8-30, 9·15 and 9·30 A.M.

(b) if so, whether Government are aware that recently so many trip shave been missed in the morning;

(c) if so, number of days on which buses from route No. 320 starting from Shakarpur missed trips during the months of May and June, 1977; and

(d) steps taken/being taken to keep to schedule and also increase one way trip from Shakarpur in view of heavy rush of office going people ?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) For the convenience of those working in the Central Sectt. comlplex, four single trips have been provided at 08·15; 08·35, 09·15 and 09·35 hrs. from Shakarpur on route No. 320.

(b) and (c) : The information is given below:—

Time of trips	*Days on which trips were missed*	
	May-77	*June-77*
08·15	2 days	9 days
08·35	2 days	11 days
09·15	2 days	9 days
09·35	1 day	9 days

(d) The position has since improved. In the first 20 days of July, 1977 only six trips were missed. There is no proposal at present to provide any extr-special trip from Shakarpur as the existing services are considered adequate.

भागलपुर आकाशवाणी केन्द्र में अंगिका भाषा

5900. **डा० रामजी सिंह** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भागलपुर आकाशवाणी केन्द्र के प्रसारणों में अंगिका भाषा को उसी प्रकार स्थान न देने के क्या कारण हैं जिस प्रकार दरभंगा आकाशवाणी केन्द्र में मैथिली को प्राप्त है, जबकि भागलपुर क्षेत्र की भाषा अंगिका है :

(ख) विभिन्न भाषाओं के सम्पूर्ण प्रसारण में प्रत्येक भाषा को कितना रुपया दिया जाता है ; और

(ग) दरभंगा केन्द्र की अपेक्षा भागलपुर केन्द्र को कम समय दिए जाने के क्या कारण हैं जबकि दरभंगा केन्द्र बाद में खुला था ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवानी) : (क) भागलपुर केन्द्र में 10 किलोवाट का मीडियमवेव ट्रांसमीटर है। इसके सेवा क्षेत्र के अन्तर्गत बिहार के 5 जिले अर्थात भागलपुर, मधीर, पूर्णिया, सहरसा और संताल परगणा आते हैं जिनकी जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 1,54,62,751 है। अंगिका छोटी वाली हैं और यह केवल 4,23,502 लोगों द्वारा बोली जाती है जो भागलपुर केन्द्र के सेवा क्षेत्र की कुल जनसंख्या का लगभग 2.7 प्रतिशत है। दरभंगा रेडियो स्टेशन के सेवा क्षेत्र में जो क्षेत्र आता है उसमें मैथिली एक प्रमुख भाषा है जो 61,21,000 लोगों द्वारा बोली जाती है। मैथिली में विकसित साहित्य है और यह साहित्य अकादमी द्वारा मन्यता प्राप्त है। यह बिहार के कुछ विश्वविद्यालयों में भी पढ़ाई जाती है। अतः भागलपुर रेडियो स्टेशन पर अंगिका को वही स्थान देने का प्रश्न ही नहीं उठता जो दरभंगा रेड़ियो स्टेशन पर मैथिली को दिया जाता है।

(ख) सूचना आकाशवाणी, भागलपुर से एकत्रित की जा रही है और इसको सदन की मेज पर रख दिया जाएगा।

(ग) भागलपुर से प्रेषण की अवधि दरभंगा से प्रेषण की अवधि से 40 मिनट से 1 घंटा 35 मिनट तक कम है। यह इसलिए है क्योंकि भागलपुर केवल सहायक केन्द्र ही है, जबकि दरभंगा आकाशवाणी का एक पूर्ण-रूपेण केन्द्र है।

"रसाटी-भरवाह" जाति को पिछड़ी जाति घोषित किया जाना

5901. **श्री चौधरी मोतीभाई आर०** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गुजरात में सौराष्ट्र मंडल के अनेक जिलों में रसाटी जाति के लोगों को पिछड़ी जाति घोषित किया गया है ; और

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार का विचार संपूर्ण गुजरात में "रसाटी भरवाह" जाति को पिछड़ी जाति घोषित करने का है ?

गृह मंत्री (चौधरी चरण सिंह) : (क) और (ख). भारत सरकार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों की सूची के अलावा पिछड़ी जातियों की कोई सूची नहीं रख रही हैं। गुजरात सरकार ने भी पिछड़ी जातियों की अभी तक कोई सूची नहीं तैयार की है।

Handicaps of unrecognised scheduled tribes population due to area restriction

5902. SHRI SUKHENDRA SINGH : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the unrecognised Scheduled Tribes population has suffered heavily in education, economic and political spheres because of area restriction for the last so many years ;

(b) whether the tribal welfare schemes prepared by the previous Government could not play a satisfactory role by including the tribals who reside outside the Scheduled Areas ; and

(c) whethr Government propose to introduce a Bill to that effect and if so, when ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI CHARAN SINGH) : (a) to (c). The tribal welfare schemes are intended for the persons who have been declared as scheduled Tribes. So long as such persons were not declared such, they were not entitled to receive the benefits of the tribal welfare scheme. With the coming into force of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976 on the 27th July 1977, areas restrictions have been generally removed within a State or Union Territory for the various scheduled Tribes. Now the members of Scheduled tribes throughout a State of U.T. will be eligible for all benefits of economic & educational programmes.

गुजराती फिल्मों का निर्माण

5903. **श्री धर्म सिंह भाई पटेल** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :